अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) | दिनांक 22.12.2012

पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

धर्मचक्र का प्रवर्तन – 40

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 8

(क) आचार्य तुलसी ने एकान्तवास का प्रयोग कहाँ–कहाँ किया?

(ख) आचार्य तुलसी की दिनचर्या के मूल सूत्र क्या थे?

(ग) आचार्य श्री तुलसी ने आज के युग की समस्या किसे बताया?

(घ) आचार्य तुलसी की षष्टिपूर्ति समारोह पर आचार्यश्री को किसने, कौन सा ग्रन्थ भेंट किया?

(ङ) आचार्य तुलसी के अनुसार संक्षेप में अध्यात्मवाद का क्या तात्पर्य है?

(च) संसदीय अणुव्रत मंच द्वारा पार्लियामेंट में अणुव्रत विचार गोष्ठी का आयोजन कब हुआ?

(छ) पंजाब की समस्या के समाधान हेतु आचार्य श्री तुलसी की बातचीत किससे हुई?

(ज) जैन संघ में चार तीर्थ कौन–कौन से होते हैं?

(झ) आचार्य श्री तुलसी के शासन काल में साधुओं ने कौन–कौन सी हस्तलिखित पत्रिकाओं का सम्पादन किया?

(ञ) आगमों के प्रकाशन में पहला प्रयत्न किसने किया तथा सर्वप्रथम कौन से आगम का प्रकाशन हुआ?

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दें – 5

(क) आचार्य तुलसी की कलकत्ता यात्रा के विरोध में कौन से तीन प्रश्न उठे?

(ख) आगम कोष निर्माण हेतु कौन–कौन से चार शब्द कोष सामने आए?

(ग) अमृत महोत्सव वर्ष पर दो कौन से कार्यों की आयोजना की गई?

(घ) आचार्यश्री तुलसी द्वारा विभिन्न अवसरों पर जो घोष दिये उनमें से कोई पांच लिखें।

(ड.) जयाचार्य निर्वाण शताब्दी का मुख्य समारोह कब और कहाँ आयोजित किया गया और उस अवसर पर कौन–कौन से महत्वपूर्ण कार्य किये गये?

प्र.3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में लिखें। 12

(क) आचार्य श्री तुलसी ने जवाहरलाल जैन को बाल दीक्षा पर अपना क्या दृष्टिकोण बताया?

(ख) सिद्ध करें कि आचार्यश्री तुलसी ने आगम संपादन का कार्य सत्यनिष्ठा और असांप्रदायिक मनोवृत्ति से किया।''

(ग) सिद्ध करें कि आचार्य श्री तुलसी सर्वधर्म–समन्वय के समर्थक रहे हैं।

(घ) मानसशास्त्री मैस्लो के श्रेष्ठ व्यक्तित्व की कसौटियाँ क्या हैं? आचार्य श्री तुलसी उस पर कितने खरे उतरे?

(ड.) समण दीक्षा पर टिप्पणी लिखें।

प्र.4 दृष्टांतों से स्पष्ट करें कि आचार्यश्री तुलसी की अर्न्तदृष्टि जागृत थी तथा विनोदप्रिय स्वभाव के कारण वे समस्या सुलझाने में कुशल थे। 15

'अथवा'

''आचार्यश्री तुलसी का उदय संघर्षों की वेदी पर हुआ।'' इस कथन को स्पष्ट करें।

महात्मा महाप्रज्ञ – 40

प्र.5 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 8

(क) आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के जन्म का नाम क्या था?

(ख) आचार्य श्री महाप्रज्ञजी को दीक्षा गुरु आचार्यश्री कालूगणी का सान्निध्य कितने वर्ष तक मिला?

(ग) आज्ञा–आलोयणा का दायित्व महाप्रज्ञजी को कब और कहाँ दिया गया?

(घ) संघ को ''संस्कृत का घर'' किसने कहा?

(ङ) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने सिर्फ एक सन्त का ही केशलोच किया था उनका नाम लिखें।

(च) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी को विगय वर्जन की बख्शीश कब और कहाँ मिली?

(छ) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने चश्में का प्रयोग किस अवस्था (वर्ष) में व किसके कहने पर किया?

(ज) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने प्रतिक्रमण की व्याख्या कहाँ लिखी?

(झ) मुनि नथमलजी को महाप्रज्ञ अलंकरण कब और कहाँ दिया गया?

(ञ) आचार्य महाप्रज्ञजी ने अपने युवाचार्य की नियुक्ति हेतु कितने पत्र व कब लिखे?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी को कौन–कौन से आगम कंठस्थ थे?

(ख) अहिंसा यात्रा के दौरान अहिंसा प्रशिक्षण के कितने व कौन–कौन से आयाम हैं?

(ग) महाप्रज्ञजी के छिहत्तरवें (76) जन्मदिन पर आचार्यश्री तुलसी ने महाप्रज्ञजी से कौन से तीन काम करने की बात कही?

(घ) गुरूदेव तुलसी ने आचार्य महाप्रज्ञ को पदाभिषेक के समय कौन से संकल्प करवाये?

प्र.7 कोई दो प्रश्नों के 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए – 12

(क) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के युगप्रधान पदाभिषेक पर टिप्पणी लिखें।

(ख) योगक्षेम वर्ष पर टिप्पणी लिखें।

(ग) आचार्य तुलसी गणाधिपति गुरूदेव बने वह प्रसंग लिखें।

(घ) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की प्रवचन शैली पर टिप्पणी लिखें।

प्र.8 सिद्ध करें कि आचार्यश्री महाप्रज्ञजी महान् साहित्यकार थे। 15

'अथवा'

अज्ञ से महाप्रज्ञ बनने में मुनि नथमलजी ने कौन–कौन से पायदानों का तय किया?

'अथवा'

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की योग–साधना व प्रेक्षाध्यान पर प्रकाश डालें।

तेरापंथ–प्रबोध – 10

प्र.9 कोई तीन पद्य लिखें – 10

(क) सन्त–सत्यां री.....जग निस्सार हो।।

(ख) सोच्यो, सही–सही.....आखिरकार हो।।

(ग) ''प्रभो! यह तेरापंथ महान'' गीत वाला पद्य।।

(घ) ''भीखणजी स्वामी! भारी मर्यादा'' गीत वाला पद्य।।

(ङ) अपणै पथ पर.....गावो गीत सुप्यार हो।।

तुलसी–प्रबोध – 10

प्र10 कोई तीन पद्य लिखें। 10

(क) इक्यासिय चूरू ..... गणधार हो।।

(ख) दियो अशान्त.....नव रंग दिखा र हो।।

(ग) 'धवल समारोह' वाला पद्य।।

(घ) 'राष्ट्र एकता परिषद' वाला पद्य।।

(ङ) पदयात्रा स्यूं.....आंख उठा र हो।।